

बर्दवान  
आसनसोल  
दुर्गापुर  
रानीगंज

शिल्पांचल

ॐ ॥ श्री हरि ॥ ॐ

# सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सतक्षणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तु रुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तु चन्द्राकमलदगणेभ्यः

बंगाल से प्रकाशित पूर्णी भारत का  
सर्वाधिक प्रसारित हिंदू दैविक

शुक्र  
वार

27 दिसम्बर, 2019

पौज शुक्रवार प्रतिपदा । विक्रम संवत् 2076  
वर्ष 74, अंक 260, पूर्वोत्तर 25731  
मूल्य 5.00 रु., कुल देना 18

[www.sanmarg.in](http://www.sanmarg.in)

सन्मार्ग ॥  
संख्या १३५३३, २०१९

इंडीएल कर्मी की मीठ : बैकोला कोलियरी में कुपवार की गत पांडेश्वर छोटाडीह  
निवाली आधी कुमार योगल (५४) खैयल खुदान में कार्य के दैर्घ्यन सर में चक्रवर  
आने से गिर कर बेहोश हो गये। श्रमिकों ने उसे स्थानीय प्राथमिक शिक्षितालय में  
दाखिल कराया। डॉक्टर ने जांच के बाद युवा योग्यता कर दिया। पुलिस ने शर को  
अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के आसनसोल जिला अस्पताल भेज दिया।

## आसनसोल



प्रदर्शन : विद्यार्थी इंडर्स्ट्री विकून्ट  
फैस्टरी (लिपिटेक्स) और 16  
वित्तमंडप से जैद है। श्रमिकों ने बकाया  
पैक एवं गोदूटी भुजान को लेकर  
बंद फैस्टरी के संपर्क प्रदर्शन किया।

## डीपीएस ने किया शीतकालीन कैंप का आयोजन



आसनसोल : दिल्ली पब्लिक स्कूल, आसनसोल, के छात्रों के लिए आयोजित पांच दिवसीय शीतकालीन कैंप समाप्त हो गया। 21 से 25 दिसम्बर तक इसका आयोजन 'माउंटेन लवर्स एसोसिएशन' के प्रशिक्षित प्रशिक्षकों के नेतृत्व में बेरो हिल्स, पुरुलिया में किया गया।

विंटर कैंप में बच्चों को व्यावहारिक जीवन में आनेवाली

विषम परिस्थितियों से जूझने एवं उनका सामना करने के गुरु सिखाए गए। प्राथमिक चिकित्सा, रिवर क्रॉसिंग, लोड क्लाइम्बिंग, रैपलिंग तकनीकियां, रोप मैनेजमेंट, मल्टी पिच क्लाइम्बिंग तकनीकियां, रूट सेलेक्शन आदि के विषय में छात्रों को जानकारी दी गई। इन गतिविधियों द्वारा छात्रों को कम से कम सुविधाओं में विषमतम परिस्थिति में

भी जीवन जीने की कला सिखाई जाती है, ताकि बच्चे जीवन की हर मुश्किल का सामना करने के लिए तैयार हो सके और शारीरिक बलिष्ठता के साथ-साथ मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहे। विद्यालय के क्रीड़ा शिक्षक रोहित प्रसाद यादव और अंग्रेजी भाषा शिक्षक रूद्रदीप सेनगुप्ता ने मार्गदर्शन किया। प्रधानाचार्य आरडी शर्मा ने कैंप की सफलता पर छात्रों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को बधाई दी और कहा कि कक्षा में दी गई शिक्षा को व्यावहारिक रूप देने के लिए इस प्रकार के आयोजनों की बहुत आवश्यकता है। जब तक शिक्षा को जीवन में लागू नहीं करते तब तक यह मात्र अक्षर ज्ञान है। उन्होंने छात्रों को वर्ष में कम से कम एक बार इस प्रकार के कार्यक्रम का हिस्सा बनने का परामर्श दिया।